Publication Date 01.03.2026
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

HARCOFED

हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

वर्ष : 57 / अंक 03 / 1 मार्च, 2026 / वार्षिक मूल्य : ₹ 500 / प्रति कापी : ₹ 50

हरियाणा विधानसभा, चण्डीगढ़ में बजट सत्र 2026 के आगाज़ पर
भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की
आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते सहकारिता मंत्री, हरियाणा डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
विजयेंद्र कुमार, भा.प्र.से.
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव अत्री

सुविचार

**कर्म करो, फल की चिन्ता मत करो,
निष्काम कर्म ही सच्चा योग है।**

– भगवद्गीता

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय 4

अमित शाह ने गांधीनगर में सहकारिता मंत्रियों की 'मंथन बैठक' की अध्यक्षता की, 2047 तक विकसित भारत के लिए सहकारिता की भूमिका बढ़ाने पर जोर 5-7

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भारत की पहली सहकारिता-आधारित टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' का औपचारिक शुभारंभ किया 8-12

सहकारिता मंत्री ने डिडवाडा में एमपैक्स का किया उद्घाटन 13-14

फरीदाबाद में हुआ 39वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेले का भव्य आयोजन 31 जनवरी से 15 फरवरी तक लगा मेला 15-20

घाटे से मुनाफे की राह पर पैक्स, नई नीति से बदलेगी तस्वीर 21

लेख प्रतियोगिता 22

नेकीराम शर्मा कालेज में युवा कौशल विकास एवं स्वरोजगार पर सेमिनार 23

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम 24

जागरूकता शिविर 25-26

शहीदों की आन, दिल से करते हैं सम्मान 27

महिला दिवस : शक्ति सम्मान और समानता का उत्सव 28

विज्ञापन 29-30

सम्पादकीय

होली

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल उत्सव नहीं होते, वे समय, समाज और संवेदना के बीच संवाद की सेतु–रेखाएं होती है। होली एक ऐसा उत्सव है जो दृश्यात्मक रंगों के माध्यम से जीवन के अदृश्य अर्थों को अभिव्यक्त करता है। होली केवल उल्लास का क्षण नहीं है बल्कि मनुष्य की सामूहिक चेतना का उत्सव है जहाँ स्मृति, परम्परा और आधुनिकता एक दूसरे से संवाद करती है।

प्राकृतिक आधार :– होली फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है जब प्रकृति स्वयं बदलती है। सूखे वृक्षों में नई कोपलें फूटती हैं, खेतों में हरियाली मुस्कुराने लगती है और वातावरण में अनकही प्रसन्नता घुल जाती है।

ऐतिहासिक और पौराणिक आधार :– होली की जड़े पौराणिक चेतना में गहराई तक फैली हुई है। इसका सर्वाधिक प्रसिद्ध संदर्भ प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा सत्ता, अहंकार, विश्वास और नैतिकता के बीच संघर्ष की प्रतीकात्मक प्रस्तुति है। होली का अनुष्ठान समाज को हर वर्ष यह स्मरण कराता है कि बुराई चाहे जितनी भी प्रबल प्रतीत हो परन्तु उसका अंत निश्चित है। प्रह्लाद का सत्य, धैर्य और विश्वास यह सिद्ध करता है कि नैतिक शक्ति भौतिक शक्ति से अधिक प्रभावशाली होती है।

होलिका दहन, आत्मशुद्धि :– होलिका दहन केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान का प्रतीक है। इस दिन हमें आंतरिक नकारात्मक प्रवृतियों क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष, अंह की आहुति देनी चाहिए। आत्मशुद्धि केवल व्यकितगत नही समाजिक आत्मशुद्धि करनी चाहिए। जब समाज मिलकर आत्ममंथन करता है, तभी संस्कृति जीवित रहती है।

भारतीय लोक संस्कृति :– होली का उत्सव भारतीय लोक जीवन में गहराई से रचा–बसा हुआ है। ब्रज क्षेत्र की लठमार होली लोकसंस्कृति की विशिष्ट पहचान है। जब ढोलक, मंजीरा और लोकस्वर एक साथ गूंजते तो वह सामूहिक संगीत मन को आकृषित करता है। मथुरा वृंदावन और बरसाना की होली में हास्य, मर्यादा, परम्परा और सभ्यता का समावेश होता है।

होली का मनोविज्ञान से सबंध :– होली सामूहिक आनंद का पर्व है। रंगों का प्रयोग, हँसी, संगीत और स्पर्श ये सभी तत्व मानव मस्तिष्क में सकारात्मक हार्मोन सक्रिय करते है। यही कारण है कि होली के बाद सामाजिक तनाव कम होता है और आपसी सबंधों में सहजता बढ़ती है। होली परिवर्तनशीलता का उत्सव है जो हमें यह स्मरण कराता है कि सुख–दुख, लाभ–हानि और यश–अपयश सब अस्थाई है। हमारे जीवन में सभी रंगों का मानवीय मूल्य है जिसके आधार पर हम विविधताओं को स्वीकार कर कुछ न कुछ ग्रहण करते है। लाल रंग उत्साह, पीला रंग आशा, हरा रंग जीवन और नीला शांति का प्रतीक है। होली का उत्सव क्षमा को व्यवहार में उतारने का अवसर देती है। जिसमें हम अपनी मतभेदों को भुलाकर प्यार से एक दूसरे को गले लगाते है।

होली का सामाजिक आधार :– होली का उत्सव सामाजिक दूरी को कम करता है। सामुदायिक आयोजन साझा भोज और सार्वजनिक उत्सव सामाजिक दूरी को कम करते है।

होली और पर्यावरण :– होली का उत्सव केवल आनंद नहीं बल्कि जिम्मेदारी भी है। परम्परा और प्रकृति एक दूसरे की सहायक होती है। प्राकृतिक रंगों का प्रयोग जल–सरंक्षण होली के अनिवार्य तत्व है। फूलों से बने रंग, सूखी होली और सामुदायिक आयोजन ये सभी वर्तमान समय में नए प्रयासपूर्ण कदम है।

भविष्य की होली परम्परा और नवाचार :– भविष्य की होली वही होगी जो परंपरा की जड़ों से जुड़ी रहे और नवाचार की शाखाओं का विस्तार करेगी। डिजिटल प्लेटफार्म्स के बीच होली का संदेश व्यापक हो और आत्मीयता सुरक्षित रहे। होली संवाद है व्यक्ति और समाज के बीच, परंपरा और आधुनिकता के समावेश का यह एक अवसर है जब दूरियाँ मिटती है रिश्तेदार एकत्र होते है और पीढ़ियों के बीच संवाद स्थापित होता है। घर में बनने वाली गुजिया, मालपुआ, दही भल्ले और ठंडाई केवल व्यजंन नहीं बल्कि सास्कृतिक विरासत की धरोहर है। होली हमें जोड़ती है, सिखाती है और मनुष्य बनाती है।

अमित शाह ने गांधीनगर में सहकारिता मंत्रियों की 'मंथन बैठक' की अध्यक्षता की, 2047 तक विकसित भारत के लिए सहकारिता की भूमिका बढ़ाने पर जोर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात की राजधानी गांधीनगर में 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों के साथ मंथन बैठक की अध्यक्षता की। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 'मंथन बैठक' में इथेनॉल, एनर्जी, जैविक पोटाश, वेयरहाउस व प्रोटीन पाउडर प्लांट संबंधी ₹265 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। साथ ही, उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन और सहकारिता की बेस्ट प्रैक्टिसेज एवं अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर रिपोर्ट का विमोचन भी किया। इस अवसर पर केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर, श्री मुरलीधर मोहोल और सचिव, सहकारिता मंत्रालय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। आने वाले पच्चीस साल तक विश्व की अर्थतंत्र की दिशा निर्धारित करने वाले क्षेत्र में हम आज पायोनियर के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मंथन बैठक का आयोजन इसीलिए हो रहा है कि हम 2047 में भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एक पूर्ण विकसित भारत का अर्थ है कि 140 करोड़ लोग सम्मान के साथ जी सकें, ऐसी व्यवस्था करना। उन्होंने कहा कि भारत के हर परिवार, हर व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने का माध्यम सिर्फ और सिर्फ सहकारिता ही बन सकती है।

श्री अमित शाह ने कहा कि कृषि, ग्रामीण विकास और पशुपालन क्षेत्रों को जब तक हम मजबूत नही करते हैं तब तक देश का सर्वांगीण विकास नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि हम सभी मनोयोग के साथ इस प्रयास को सफल बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने एक वैज्ञानिक तरीके से विगत चार साल से देश के सहकारिता क्षेत्र को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है और उसके परिणाम अब दिखने लगे हैं।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने सहकारिता की स्वीकृति को बढ़ाने वाली बातों पर बल दिया। इनमें अन्न भंडारण की व्यवस्था पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में लगभग तीन गुना बढ़ाने की जरूरत है, जिसमें से 2 गुना सहकारिता क्षेत्र को करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ये सभी की जिम्मेवारी है, केवल पैक्स पर न छोड़ें, तहसील की कोआपरेटिव डेयरियां, जिला स्तर के मार्केटिंग फेडरेशन, जिला सहकारी बैंक से फाइनेंस करवाकर, जिला के बिक्री

खरीदारी संघ, सबको बड़े–बड़े गोदाम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका एक और पहलू है कि हमारा 70 प्रतिशत अनाज उत्तर भारत से – पंजाब और हरियाणा में में खरीदा जाता है, उनका कहना है कि यहीं से अनाज की खरीदी होगी, यहीं स्टोर होगा और यहीं से वितरित हो जाएगा तो हम ट्रांसपोर्टेशन की लगत कम से कम 30–40 प्रतिशत बचा सकतें हैं , पूरे देश भर में भण्डारण की व्यवस्था संरेखित और सर्वस्पर्शीय भंडारण होनी चाहिए।

श्री अमित शाह ने कहा कि सभी राज्य बंद पड़ी चीनी मिलों को शुरू करने के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अभी हमने राष्ट्रीय स्तर पर एक कोऑपरेटिव बनाई है। जिसके अन्तर्गत जिन शुगर मिलों की हालत ठीक नहीं है उनको प्रक्रिया के द्वारा खाद व गैस बनाना है जिससे आने वाले दिनों में शुगर मिल में से अलग–अलग तरह के ग्यारह उत्पाद बना सके इस प्रकार का सफल प्रयोग हो चुका है। उन्होंने कहा कि वे मार्च के पहले हफ्ते में इस कार्यरचना को अंतिम रूप देने वाले हैं और जो शुगर मिल सिर्फ शुगर बना रही है वहाँ पर हमारी राष्ट्रीय स्तर की कोऑपरेटिव बाकी का सारा अटैचमेंट कर देगी। इसके लिए भी राज्यों को अपने यहाँ लचीली पॉलिसी बनानी पड़ेगी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि हर राज्य अपने डेयरी विभाग और सहकारिता विभाग की टीमों को बनासकांठा डेयरी को देखने के लिए भेजें। उन्होंने कहा कि बनासकांठा डेयरी ने कई प्रकार के काम किए हैं जिससे सभी राज्यों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

'सहकारिता में सहकार' (Cooperation Amongst Cooperatives) पर बल देते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि सभी सहकारी संस्थाओं के बैंक खाते जिला सहकारी बैंकों में होने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने निर्णय किया है कि भारत सरकार की सभी योजनाओं में सहकारी बैंक को नोडल एजेंसी बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों को प्रयास करना चाहिए कि सारे प्रधानमंत्री किसान कल्याण योजना का पैसा उसी में चला जाए, वृद्ध पेंशन का पैसा उसी में चला जाए, सारी योजनाओं को हम इसके अंदर अब डाल सकते हैं।

श्री अमित शाह ने आने वाले दिनों में जो खुदरा मजदूरी करने वाले लोग हैं, कारपेंटर्स हैं, प्लंबर है, इलेक्ट्रीशियन हैं, जिनका शोषण होता है, इनकी भी कोऑपरेटिव बनाकर, उनको सम्मानजनक राशि मिले, इसके लिए भी कोऑपरेटिव बनाएंगे, ढ़ेर सारे सेक्टरों में हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इस देश की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी सहकारिता के साथ जुड़ जाएगी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा भारत टैक्सी आने वाले कुछ वर्षों में हर एक नगर निगम तक पहुंच जाएगी। 3 लाख से अधिक चालक इससे जुड़े चुके हैं। इससे चालकों और यात्रियों दोनों को लाभ मिलने वाला है।

इससे पूर्व 'मंथन बैठक' में विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से सहकारिता से जुड़े हुए विभिन्न विषयों पर की गयी पहलों की प्रगति, उपलब्धियों तथा भविष्य की कार्ययोजना का अवलोकन एवं मूल्यांकन किया गया। इन प्रस्तुतियों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने के लिए 2 लाख नई बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स), डेयरी एवं मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना की प्रगति पर चर्चा हुई। इसके साथ–साथ 'मंथन बैठक' में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना के अंतर्गत देशभर में आधुनिक गोदामों के नेटवर्क के विस्तार पर बल दिया गया, जिससे किसानों को बेहतर भंडारण, मूल्य स्थिरता और बाजार तक सुगम पहुंच सुनिश्चित हो सके।

मंथन बैठक में राष्ट्रीय स्तर की नई सहकारी संस्थाओं, नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड (NCEL), नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक लिमिटेड (NCOL) तथा भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) — में राज्यों की सक्रिय भागीदारी और निर्यात, जैविक खेती और गुणवत्तापूर्ण बीज आपूर्ति के क्षेत्र में सहकारिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही, राज्यों के सहकारिता कानूनों में समयानुकूल सुधार, 97वें संविधान संशोधन के अनुरूप मॉडल अधिनियम को अपनाने, सहकारी गन्ना मिलों की आर्थिक व्यवहार्यता तथा लाभ बढ़ाने, डेयरी क्षेत्र में सर्कुलरिटी एवं सस्टेनेबिलिटी को प्रोत्साहन देने, तथा अमूल और एनडीडीबी के सहयोग से नई डेयरी सहकारी समितियों के गठन जैसे विषयों पर भी चर्चा की गयी।

बैठक में दलहन एवं मक्का उत्पादन को बढ़ावा देने, सहकारी बैंकों से जुड़ी चुनौतियों के समाधान, साझा सेवा इकाई (SSE) एवं अंब्रेला संरचना को सुदृढ़ करने, सदस्यता विस्तार एवं जागरूकता अभियान को मजबूत बनाने, और प्रभावी मीडिया–संचार रणनीति विकसित करने जैसे जैसे विषयों पर भी विस्तार से प्रस्तुति एवं चर्चा की गयी। इसके अतिरिक्त, पैक्स एवं रजिस्ट्रार सहकारी समितियां कार्यालयों के कंप्यूटरीकरण, राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस के उपयोग, मानव संसाधन विकास, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर भी राज्यों से अपेक्षाओं को सांझा किया गया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भारत की पहली सहकारिता-आधारित टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' का औपचारिक शुभारंभ किया

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने दिनांक 5 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में भारत की पहली सहकारिता–आधारित टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर एवं श्री मुरलीधर मोहोल और सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए 1,200 से अधिक "सारथियों" (ड्राइवर पार्टनर्स) ने भाग लिया, जो भारत टैक्सी के चालक सशक्तिकरण और सहकारी स्वामित्व आधारित मॉडल के प्रति व्यापक समर्थन को दर्शाता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए मालिकाना हक का एक मॉडल तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि तीन साल के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामाख्या तक सहकार टैक्सी हमारे टैक्सी सार्थियों के कल्याण का एक बहुत बड़ा माध्यम बन जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह संकल्पना सहकार टैक्सी से जुड़ने वाले सारथियों के जीवन, आत्मविश्वास और आर्थिक स्थिति में आमूल–चूल परिवर्तन लाने वाली है। हमारे देश में पहले ऐसे कई मॉडल सफल हो चुके हैं।

श्री अमित शाह ने टैक्सी सारथियों से अपील की कि वे अभी भी टैक्सी चलाते हैं, सहकार टैक्सी से जुड़ने के बाद भी टैक्सी चलाएँगे, लेकिन दोनों में एक बड़ा फर्क होगा। उन्होंने कहा कि अभी टैक्सी का पहिया किसी और की जेब में पैसे डालता है, लेकिन अब सारथियों की टैक्सी के पहिये की कमाई सारथियों की जेब में ही जाएगी। उन्होंने कहा कि यह विचार सहकारिता की भावना से ही जन्म लेता है।

सहकारिता का असली अर्थ यही है कि जब ढेर सारे छोटे–छोटे पूंजी वाले लोग अपनी ताकत को एकत्रित कर लेते हैं, तो वे मिलकर बहुत बड़े–बड़े काम

कर पाते हैं। जिनके पास बहुत बड़ी पूंजी होती है, वे अकेले बड़ा काम करते हैं और मुनाफा भी कुछ ही लोगों तक सीमित रहता है। श्री शाह ने कहा कि आज जिस सहकारिता मॉडल की बात की जा रही है, वही आज के समय में सबसे नई और सबसे सफल शुरुआत है। उन्होंने कहा कि अब टैक्सी का पहिया किसी और की कमाई के लिए नहीं, बल्कि टैक्सी सारथियों की समृद्धि और खुशहाली के लिए घूमेगा।

उन्होंने कहा कि सहकार टैक्सी कुल मुनाफे में सिर्फ 20 फीसदी पैसे ही अपने पास रखेगी, यानि 100 रुपए में से 20 रुपए ही सहकार टैक्सी अपने पास रखेगी, जिसके मालिक सारथी ही हैं। सारा मुनाफा भारत टैक्सी से जुड़े सारथी के खाते में ही जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी के पूंजी खाते में पड़े 20 रुपए के मालिक भी सारथी ही होंगे।

इसके साथ साथ उन्होंने कहा कि हमने सारथी दीदी की एक खास संकल्पना तैयार की है जिसके तहत आने वाले समय में ऐप में **'सारथी दीदी'** के लिए एक अलग विंडो होगी, जिसके जरिए रजिस्ट्रेशन कराने वाली किसी भी महिला को केवल 'सारथी दीदी' ही पिक करने आएंगी। श्री शाह ने कहा 'सारथी दीदी' दो पहिया वाहन लेकर आएंगी और बहुत कम किराए में सुरक्षित रूप से गंतव्य तक पहुंचाएंगी। उन्होंने कहा कि यह सुविधा महिलाओं के लिए बहुत बड़ी और व्यावहारिक राहत साबित होगी। आने वाले दिनों में सारथी दीदी के माध्यम से देश की मातृ शक्ति को एक सुरक्षित, किफायती और सम्मानजनक यात्रा का विकल्प उपलब्ध होगा। यह सिर्फ एक सेवा नहीं बल्कि महिलाओं की सुरक्षा, स्वावलंबन और सम्मान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, दिल्ली मेट्रो रेल निगम, एयरपोर्ट अथॉरिटी, इफको टोक्यो इंश्योरेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित कुल नौ प्रमुख संस्थाओं के साथ भारत टैक्सी ने समझौता (एमओयू) किया है। इन समझौतों के जरिए भारत टैक्सी के ग्राहकों को कई अतिरिक्त सुविधाएँ मिलेंगी और साथ ही इन सभी संस्थाओं को भारत टैक्सी की सेवाएँ आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएँ अब सहकार टैक्सी की सफलता में हिस्सेदार बन चुकी हैं। यह स्वामित्व मॉडल पर आधारित नया टैक्सी अवधारणा आज पहली बार भारत में लॉन्च किया गया है, जो न केवल सारथियों के लिए मालिकाना हक की भावना लाता है, बल्कि यात्रियों और विभिन्न संस्थाओं के लिए भी एक भरोसेमंद और सुविधाजनक विकल्प प्रस्तुत करता है।

श्री अमित शाह ने कहा कि भारत टैक्सी द्वारा तय किया गया नियमित शुल्क सारथियों के खाते से अलग रहेगा। इसके अलावा, भारत टैक्सी सारथियों की पसीने की कमाई से एक प्रतिशत भी कमीशन नहीं काटेगी, जिससे उनकी समृद्धि तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य कंपनी की पूंजी को बढ़ाना नहीं, बल्कि भारत टैक्सी के असली मालिक, सारथी भाइयों और सारथी दीदियों, का मुनाफा और आय बढ़ाना है। श्री शाह ने कहा कि ग्राहक द्वारा किया गया भुगतान सीधे सारथी के अकाउंट में तत्काल ऑटोमैटिकली ट्रांसफर हो जाएगा। इसके लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। किसी भी सारथी का अकाउंट बिना उचित सुनवाई के बंद नहीं किया जाएगा। हालांकि, सारथियों का भी दायित्व है कि वे ग्राहकों के साथ अच्छा व्यवहार करें, अपनी टैक्सी की गुडविल बनाए रखें और सेवा की गुणवत्ता पर ध्यान दें। उन्होंने कहा

कि शिकायतों की सुनवाई के लिए पूरी व्यवस्था की गई है और निष्पक्ष सुनवाई के बाद ही कोई कार्रवाई की जाएगी।

श्री अमित शाह ने कहा कि भारत टैक्सी की शुरुआत सहकारिता क्षेत्र के लिए नए आयाम खोलने की भी शुरुआत है। पिछले 125 वर्षों से भारत में सहकारिता आंदोलन चल रहा है, लेकिन अब समय आ गया है कि सहकारी मॉडल को नए–नए क्षेत्रों में ले जाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए मालिकाना हक वाला मॉडल तैयार कर रहा है। आने वाले समय में हम तीन–चार ऐसे क्षेत्रों में इस मॉडल को आगे बढ़ाएंगे, जहां मेहनत करने वाले व्यक्ति के पसीने और परिश्रम का फल उसी के पास रहेगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत टैक्सी के चार मूल मंत्र हैं स्वामित्व (ownership), सुरक्षा कवच (security), सम्मान (dignity) और सबका पहिया, सबकी प्रगति, यानी सभी के लिए लाभांश का उचित वितरण। इन्हीं चार उद्देश्यों के साथ भारत टैक्सी की शुरुआत हुई है और आने वाले समय में यह एक बहुत सफल प्रयोग साबित होगा। उन्होंने कहा कि 6 जून 2025 को इसकी स्थापना हुई और आज से यह कमर्शियली लॉन्च हो रही है। महज 8 महीनों के भीतर दिल्ली और गुजरात में किसी भी अन्य टैक्सी कंपनी से ज्यादा सारथी और ग्राहक भारत टैक्सी से जुड़ चुके हैं। इतने कम समय में इतने बड़े पैमाने पर रजिस्ट्रेशन किसी अन्य कंपनी ने नहीं कराए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हमारे सारथी भाइयों–बहनों को इंश्योरेंस, सरकारी रोजगार योजनाओं, लोन, सब्सिडी और गिग वर्कर से जुड़ी सभी सरकारी योजनाओं का लाभ स्वतः मिल सकेगा। हम इस दिशा में लगातार काम कर रहे हैं ताकि हर सारथी को पूरा सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक मजबूती मिल सके।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2020–21 में गिग वर्कर के कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की थी। अब 2025–26 के बजट में भारत सरकार देश भर के सवा करोड़ से अधिक गिग वर्कर के लिए ढेर सारी योजनाएं और सुविधाएं लेकर आई हैं। पहले ई–श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन का अधिकार केवल उन लोगों को था जिनकी पेंशन कटती थी या जो औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त श्रमिक के रूप में पंजीकृत थे। अब इस सीमा को हटाकर देश के सवा करोड़ गिग वर्कर ई–श्रम पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी से जुड़े सभी सारथी अब आसानी से ई–श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के बाद उन्हें प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज अपने और अपने परिवार के लिए स्वतः उपलब्ध हो जाएगा। भारत टैक्सी से जुड़ते ही सारथियों को यह मुफ्त चिकित्सा सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। इसके अलावा ई–श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों के लिए उपलब्ध अन्य कई सामाजिक सुरक्षा योजनाएं भी आपके लिए अपने आप सक्रिय हो जाएंगी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत टैक्सी का मॉडल न केवल सारथियों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा, बल्कि उनके सम्मान, सुरक्षा और स्वामित्व को भी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी के ऐप में व अलर्ट की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है, जिसके माध्यम से आपातकालीन स्थिति में तुरंत सुरक्षा और सहायता प्राप्त की जा सकती है। अभी दिल्ली–एनसीआर में आठ हेल्पलाइन और सहायता केन्द्र स्थापित किए जा चुके हैं और आने वाले समय में देशभर में ऐसे केन्द्रों का एक व्यापक जाल बिछाया जाएगा। शिकायत निवारण की पूरी प्रक्रिया तीन स्तरों पर संचालित होगी–ऐप के माध्यम से, वेबसाइट पर और टोल–फ्री नंबर के जरिए। इसके साथ ही हमारे प्रतिनिधि नियमित रूप से सारथियों के साथ बैठकें करेंगे ताकि हर समस्या का समय पर समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि आज से सारथी अप्रत्याशित शुल्क (hidden charges) से पूरी तरह मुक्त हैं। अप्रत्याशित शुल्क लेना सारथी के साथ एक तरह का छल है। टोल, पार्किंग और अन्य सभी तरह के अतिरिक्त शुल्क से भी मुक्ति मिलेगी। साथ ही 24 घंटे, सातों दिन हेल्पलाइन सारथियों के लिए हमेशा उपलब्ध रहेगी। फिलहाल इसकी शुरुआत गुजरात के कुछ शहरों, दिल्ली और एनसीआर में हो रही है। लेकिन अगले तीन साल से भी कम समय में हम देश के हर राज्य और हर बड़े शहर तक पहुंच जाएंगे।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में हम भारत टैक्सी में बहुत

सारी नई सेवाओं को शामिल करेंगे और इसे लगातार विस्तार देंगे। उन्होंने दिल्ली–एनसीआर के सभी ग्राहकों और सारथियों को संदेश दिया कि आज से भारत टैक्सी उनकी सेवा में पूरी तरह शुरू हो रही है। यह सिर्फ एक टैक्सी सेवा नहीं है, बल्कि हमारे देश के करोड़ों सारथियों की समृद्धि, आत्मसम्मान और आर्थिक मजबूती बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि अब तक दिल्ली–एनसीआर में 2.5 लाख से ज्यादा ड्राइवर भारत टैक्सी के साथ जुड़ चुके हैं, 8.5 लाख से अधिक यात्री इस परिवार का हिस्सा बन चुके हैं और कई बड़ी कंपनियों के साथ हमारे समझौते भी अंतिम चरण में हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत टैक्सी का भविष्य बेहद उज्ज्वल है।

कार्यक्रम से पूर्व दिन में, भारत टैक्सी के शुभारंभ को प्रतीकात्मक रूप से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विज्ञान भवन तक निकाली गई 100 कारों की भव्य रैली के माध्यम से चिह्नित किया गया। इस रैली ने देश के टैक्सी समुदाय की एकता, आत्मगौरव और सामूहिक शक्ति का सशक्त प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष पांच सारथियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जिससे सहकारी मॉडल के अंतर्गत चालक स्वामित्व और भागीदारी को प्रोत्साहन मिले। प्रत्येक सम्मानित सारथी को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा प्रमाणपत्र तथा ₹5 लाख की पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान की गई, जो चालक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के प्रति भारत टैक्सी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कार्यक्रम के दौरान माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री की उपस्थिति में अग्रणी सार्वजनिक एवं निजी भागीदारों के साथ नौ समझौता ज्ञापनों (MoUs) का आदान–प्रदान भी किया गया, जिनका उद्देश्य परिचालन एकीकरण, डिजिटल सक्षमता तथा सेवा गुणवत्ता को सुदृढ़ करना है।

दिल्ली यातायात पुलिस और सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड के मध्य किये गए समझौता ज्ञापन (MoU) के तहत भारत टैक्सी को दिल्ली में 21 स्थानों पर स्थित 34 प्री–पेड टैक्सी बूथों के डिजिटल संचालन की अनुमति मिलेगी, जिससे यात्री सुरक्षा, पारदर्शिता, चालक आय और सेवा गुणवत्ता में वृद्धि होगी। दिल्ली यातायात पुलिस के सहयोग से भारत टैक्सी ने एक संयुक्त कमांड एवं कंट्रोल सेंटर भी स्थापित किया है, जिसमें रीयल–टाइम राइड मॉनिटरिंग, SOS अलर्ट और त्वरित आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र शामिल हैं, जो सड़क सुरक्षा, नियामक अनुपालन और यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ावा देंगे।

राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस प्रभाग (NeGD), MeitY के साथ गए समझौता ज्ञापन के तहत डिजिटल इंडिया ढांचे के अंतर्गत भारत टैक्सी को परामर्श एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे DigiLocker, UMANG और API Setu के साथ एकीकरण संभव होगा। इससे सारथियों को पेपरलेस ऑनबोर्डिंग, सरकारी सेवाओं तक एकीकृत पहुंच, सुरक्षित इंटरऑपरेबल संचालन, कैशलेस भुगतान और बेहतर परिचालन दक्षता का लाभ मिलेगा।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (DMRC) के साथ साझेदारी के तहत 10 प्रमुख मेट्रो स्टेशनों पर बाइक टैक्सी, ई–ऑटो/सीएनजी ऑटो और कैब के माध्यम से अंतिम–मील कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे यात्री एक ही प्लेटफॉर्म पर पूरे सफर की योजना और भुगतान कर सकेंगे, साथ ही चालकों को अधिक ट्रिप्स और कम निष्क्रिय समय का लाभ मिलेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के साथ किया गया MoU देशभर के AAI हवाई अड्डों पर भारत टैक्सी के संचालन को नियंत्रित करेगा, जिसमें पिक–अप जोन, साइनज की अनुमति तथा कड़े सुरक्षा एवं सेवा मानक निर्धारित किए गए हैं, जिससे पूरे भारत में विनियमित हवाई अड्डा संचालन संभव होगा।

दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम ६ दिल्ली एयरपोर्ट पार्किंग सर्विसेज (DAPS – GMR समर्थित) के साथ हुए समझौते के तहत IGI एयरपोर्ट टर्मिनलों पर कई पार्किंग स्थानों पर भारत टैक्सी की व्हाइट कैब सेवाओं को अनुमति दी गई है। DAPS पहले वर्ष के लिए प्रति ट्रिप ₹245 के पिक–अप शुल्क पर 20% की छूट प्रदान करेगा, जो भारत टैक्सी की काली–पीली सेवाओं का पूरक बनेगा तथा एयरपोर्ट राइड्स की संख्या और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा।

IFFCO Tokio को भारत टैक्सी के बीमा भागीदार के रूप में जोड़ा गया है, जो नाममात्र दरों पर चालकों को ₹5 लाख का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा प्रदान

करेगा, साथ ही दीर्घकालिक चालक कल्याण एवं बीमा समाधानों पर परामर्श सहयोग भी देगा।

पेटीएम (Paytm) के साथ MoU के तहत डिजिटल भुगतान, को–ब्रांडेड ऑफरिंग्स तथा फिनटेक सक्षमता को सक्षम करेगा, जिसमें पेमेंट गेटवे एकीकरण और पेटीएम के पार्टनर इकोसिस्टम तक पहुंच शामिल है। पेटीएम पारिवारिक कवरेज सहित चालक समूह स्वास्थ्य बीमा में भी सहयोग कर रहा है।

GMR के साथ साझेदारी एयरपोर्ट मोबिलिटी संचालन को और सुदृढ़ करते हुए IGI एयरपोर्ट टर्मिनलों पर भारत टैक्सी की विनियमित पहुंच और सेवा विस्तार को मजबूती प्रदान करेगी।

SBI के साथ हुए MoU पर हस्ताक्षर के तहत प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी योजनाओं के अंतर्गत वाणिज्यिक यात्री वाहनों के लिए प्राथमिकता वित्तपोषण उपलब्ध कराया जाएगा। सहकार टैक्सी पात्र चालक–मालिकों की पहचान और सहायता करेगा, जबकि SBI अपनी प्रचलित दिशानिर्देशों के अनुरूप शीघ्र विचार सुनिश्चित करेगा।

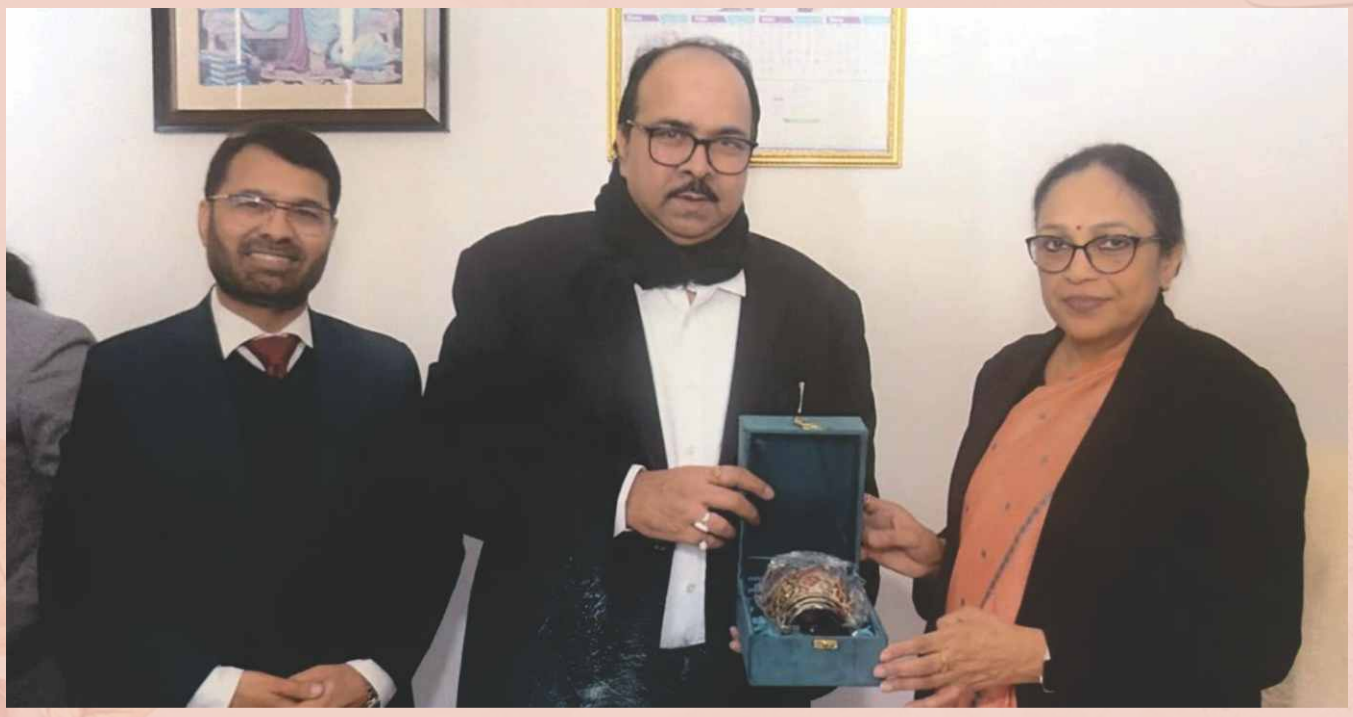

दिनांक 09.01.2026 को नाबार्ड में श्रीमती निवेदिता तिवारी मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड हरियाणा एवं डॉ. प्रफुल्ल रंजन प्रबंधक निदेशक / सी.ई.ओ व महाप्रबंधक / प्राचार्य श्री अशोक कुमार के सौजन्य से का बैंक के अधिकारियों व कर्मचारियों सहित उद्घाटन किया गया व नाबार्ड द्वारा स्मार्ट इंटेरक्टिव बोर्ड शिक्षण कक्ष SOFTCOB Assistance के तहत लगवाया गया। जो STC के Faculty द्वारा आधुनिक तरीके से प्रशिक्षण देने में सहायक है व सभी DCCB/PACS के प्रशिक्षुओं के लिए मैत्रीपूर्ण friendly interaction करने में भी सहायक है जो प्रशिक्षु को अच्छे ढंग से समझ आता है। इसके अतिरिक्त सुबह की कक्षा में प्रार्थना, सरस्वती वंदना सहित राष्ट्रीय गान किया जाता है जो वातावरण की सौम्यता को बढ़ाता है व शिक्षा के अनुरूप का माहौल प्रदान करता है। इस कक्ष में एक लाइब्रेरी भी स्थापित की गई है जिसमें 2500 पुस्तकें बैंक, व्यवसाय, सेवा नियम अधिनियम / Act इत्यादि की है जो कि प्रशिक्षुओं का समग्र रूप से ज्ञानवर्धन करने में सहायक है। इसके अतिरिक्त JAIIB, CAIIB संबंधित अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध होने से बैंक में व्यवसायिकता को बढ़ावा मिला है। जिसके तहत अधिकारी व कर्मचारियों ने उपरोक्त कोर्स को पास किया है व उन्हें अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी हो रहा है। अतः ACSTI, हरको बैंक के क्रियाकलापों में चहुंमुखी विकास करने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

सहकारिता मंत्री ने डिडवाडा में एमपैक्स का किया उद्घाटन

ग्रामीण हरियाणा की आर्थिक रीढ बनेंगी पैक्सें

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आत्मनिर्भर संस्थाओं को बढ़ावा देने पर रहेगा जोर

विकसित भारत संकल्प के लिए मिल कर महिलाओं, युवाओं और किसानों को संगठित करेंगे

डॉ. अरविंद कुमार शर्मा

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने गांव डिडवाडा में दि डिडवाडा बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि सहकारी समिति लिमिटेड का उद्घाटन किया। एमपैक्स के उद्घाटन कार्यक्रम में ग्रामीणों द्वारा किए गए स्वागत उपरांत सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकार क्षेत्र में क्रांति लाने का काम किया है। वर्ष 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना और इसकी कमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपे जाने के बाद सहकारिता व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन हो रहे हैं। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए महिलाओं, युवाओं और किसानों को संगठित करते हुए सशक्त बनाया जाएगा और इसके लिए सहकारिता क्षेत्र में अपार संभावनाओं के द्वार खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हम ग्रामीण हरियाणा को आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के लिए पैक्सों को मजबूत करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि आज सीएम पैक्सों के माध्यम से सहकार से समृद्धि के विजन को जमीनी स्तर पर गांव, किसान, युवाओं और महिलाओं को सीधे लाभ पहुंचाने के लिए तैयार किया जा रहा है। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि पैक्सों के और डिजिटलाइजेशन कम्प्यूटरीकरण के माध्यम से पारदर्शिता, भरोसा और कार्यक्षमता बढ रही है। आज

इन केंद्रों को रोजगार के साथ–साथ स्वरोजगार का बडा माध्यम बनाया जा रहा है। ताकि स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक रोजगार अवसर उपलबध हों। उन्होंने कहा कि आज सीएम पैक्सों के माध्यम से गांवों में पैट्रोल पंप, जनऔषधि केंद्र, सीएससी सेंटर, अनाज भंडारण गोदाम, बीज खाद उत्पादन जैसी गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि डिडवाडा एमपैक्स के गठन से पहले रामपुरा पैक्स के तहत आने वाले किसानों को 15 से 20 किलोमीटर दूर सफीदों जाना पडता था लेकिन अब छह गांवों को पांच किलोमीटर के दायरे में सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने सरपंच राजन सिंह, खैतला सरपंच कृष्ण सहरावत, धर्मगढ़ सरपंच अजीत पाल, साहनपुर सरपंच बजिंदर सिंह, बुसलाना सरपंच रविंद्र एवं एमपैक्स पदाधिकारियों की मांग पर डिडवाडा में कॉपरेटिव बैंक की शाखा खोलने की भी घोषणा की।

इस मौके पर डिप्टी रजिस्ट्रार कॉपरेटिव सोसायटी सरिता राठी, द जींद कॉपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक जयप्रकाश सोनी, सहायक रजिस्ट्रार सफीदों राजेश सहरावत, सहायक रजिस्ट्रार जींद सुनीता ढाका, ईश्वर शर्मा, सुदामा शर्मा एवं प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

फरीदाबाद में हुआ 39वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेले का भव्य आयोजन

31 जनवरी से 15 फरवरी तक लगा मेला

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन द्वारा किया गया शुभारंभ व राज्यपाल, हरियाणा प्रो. असीम कुमार घोष द्वारा किया गया समापन

फरीदाबाद, हरियाणा के सूरजकुंड में 39वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला–2026 का भव्य आगाज हुआ, जो 15 फरवरी तक चला। भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी.राधाकृष्णन ने बतौर मुख्य अतिथि मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी एवं सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा ने उनका स्वागत किया।

मेले के शुभारंभ अवसर पर उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने मेला परिसर में हरियाणा के अपना घर पवेलियन का दौरा किया, जहां हरियाणवी पगड़ी पहनाकर उनका पारंपरिक स्वागत–सत्कार किया गया। उपराष्ट्रपति ने मेले के थीम स्टेट मेघालय के स्टॉलों का अवलोकन करते हुए शिल्पकारों से संवाद किया तथा उनके हुनर की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने मेले में सहभागी विभिन्न देशों और राज्यों की सांस्कृतिक विधाओं का अवलोकन कर कलाकारों एवं शिल्पकारों का उत्साहवर्धन किया।

मेला परिसर की मुख्य चौपाल के मंच से उपराष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मेले में आने वाले आगंतुकों की सुविधा हेतु मेला साथी ऐप का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी तथा विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा द्वारा उन्हें पांचजन्य शंख और महाभारत के दृश्य को दर्शाती एक आकर्षक पेंटिंग भेंट की गई।

'वसुधैव कुटुंबकम' के शाश्वत भारतीय दर्शन को साकार करता सूरजकुंड शिल्प मेला – उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में कहा कि सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला दशकों से भारत की सांस्कृतिक आत्मा, कलात्मक उत्कृष्टता और सभ्यतागत निरंतरता का जीवंत प्रतीक रहा है। यह उत्सव 'वसुधैव कुटुंबकम' के उस शाश्वत भारतीय दर्शन को साकार करता है, जिसमें पूरी दुनिया को एक परिवार माना गया है। यह मेला निर्माण करने वाले हाथों, नवाचार से भरे मस्तिष्कों और हमारी पहचान गढ़ने वाली परंपराओं को एक साझा मंच पर एकत्र करता है। पिछले लगभग चार दशकों से यह आयोजन हमारे कारीगरों, बुनकरों, मूर्तिकारों, चित्रकारों और लोक कलाकारों को वैश्विक पहचान दिला रहा है, जिनमें से अनेक पीढ़ियों से चली आ रही कलाओं को जीवित रखे हुए हैं। इस वर्ष आत्मनिर्भर भारत पर केंद्रित दृष्टिकोण ने मेले के महत्व को और भी गहन बना दिया है, क्योंकि हमारे कारीगर सदियों पुराने ज्ञान के संरक्षक हैं और उन्हें सशक्त बनाना एक समावेशी, सशक्त और टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नींव है।

उपराष्ट्रपति ने इस वर्ष के सहभागी राज्य उत्तर प्रदेश और मेघालय का उल्लेख करते हुए कहा कि ये 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त रूप से अभिव्यक्त करते हैं, जहाँ विविधता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। साथ ही, भागीदार देश मिस्र का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि मिस्र की प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक गहराई और कलात्मक परंपराएं भारत की ऐतिहासिक यात्रा से गहरे स्तर पर मेल खाती हैं। ऐसी साझेदारियां देशों के बीच सांस्कृतिक कूटनीति को सुदृढ़ करने के साथ–साथ लोगों के बीच संबंधों को भी मजबूत बनाती हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि बड़े पैमाने पर उत्पादन के इस युग में सूरजकुंड मेला हमें हाथ से बनी वस्तुओं, मानवीय स्पर्श और प्रामाणिक शिल्प के अमूल्य महत्व की याद दिलाता है। उपराष्ट्रपति ने इस दौरान कारीगरों, आयोजकों व दर्शकों से इस विरासत को समझने, अपनाने और आगे बढ़ाने का आह्वान भी किया।

'लोकल टू ग्लोबल' और 'आत्मनिर्भर भारत की पहचान' को साकार करने का सशक्त मंच है सूरजकुंड शिल्प मेला मुख्यमंत्री

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने सम्बोधन में कहा कि 39वां सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आत्मनिर्भरता की भावना से जोड़ रहा है। यह मेला 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को सशक्त आधार प्रदान करते हुए स्थानीय शिल्प, कला और कारीगरों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इस वर्ष 'लोकल टू ग्लोबल' और 'आत्मनिर्भर भारत की पहचान' थीम पर आधारित यह मेला प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उस विजन को धरातल पर उतारने का प्रयास है, जिसमें हर कारीगर के हुनर को सम्मान और बाजार दोनों मिलें।

श्री नायब सिंह सैनी ने उप–राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन का विशेष रूप से स्वागत करते हुए कहा कि इस मेले में आने से देश–विदेश के शिल्पकारों को नई प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा कि आज हम कला और शिल्प के उस महाकुंभ के साक्षी बनने जा रहे हैं, जिसकी न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में विशेष पहचान है।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर का अर्थ केवल आर्थिक स्वतंत्रता नहीं है। इसमें अपनी संस्कृति पर गर्व करना, अपनी विरासत को सहेजना और उसे दुनिया के सामने शान से प्रस्तुत करना भी शामिल हैं। सूरजकुंड मेला इसी 'आत्मनिर्भरता' का जीता–जागता उदाहरण है। यहां मिट्टी के बर्तनों से लेकर हाथ से बुने हुए कपड़े तक, हर एक वस्तु में भारत की आत्मा बसती है। इस मेले के असली नायक हमारे शिल्पकार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। पर्यटन विकास का एक ऐसा इंजन है जो रोजगार के सबसे अधिक अवसर पैदा करता है। सूरजकुंड मेला इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। अगले 15 दिनों तक, यानी 15 फरवरी तक, यहां लाखों पर्यटकों के आने से न केवल शिल्पकारों को बाजार मिलेगा, बल्कि स्थानीय टैक्सी चालकों, होटल व्यवसायियों और छोटे दुकानदारों को भी रोजगार मिलेगा। जब यहां आए पर्यटक कोई वस्तु खरीदते हैं, तो वे केवल एक उत्पाद नहीं खरीदते, बल्कि एक शिल्पकार की कला का सम्मान करते हैं और 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को सिद्ध करते हैं।

39वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला में 50 से अधिक देशों के 700 से ज्यादा विदेशी प्रतिनिधि और डेलीगेट्स ले रहे हिस्सा - डॉ. अरविंद शर्मा

हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि 39वां सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1987 से शुरू हुआ यह मेला आज देश–विदेश में भारतीय सांस्कृतिक विरासत, शिल्प और कला की एक सशक्त पहचान बन चुका है। सूरजकुंड मेला 'लोकल टू ग्लोबल' विजन का सशक्त मंच बनकर स्वदेशी उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प में हरियाणा का विशेष योगदान सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी निरंतर इसी दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष जहां 44 देशों ने मेले में भागीदारी की थी, वहीं इस वर्ष 50 से अधिक देशों के 700 से ज्यादा विदेशी प्रतिनिधि और डेलीगेट्स हिस्सा ले रहे हैं। इस वर्ष का भागीदार देश मिस्र (इजिप्ट) है, जो सांस्कृतिक आदान–प्रदान को और सुदृढ़ करेगा। यह मेला कलाकारों और शिल्पकारों को न केवल अपनी कला प्रदर्शित करने का मंच देता है, बल्कि उन्हें अधिक राजस्व अर्जित करने और अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने का अवसर भी प्रदान करता है।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर, हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नगर, खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर विधायक श्री दिनेश अदलखा, श्री सतीश फागना, श्री तेजपाल तंवर, श्री मूलचंद शर्मा, श्री रणधीर पणिहार, श्रीमती कृष्णा गहलोत, विरासत एवं पर्यटन विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल, निदेशक श्री पार्थ गुप्ता, फरीदाबाद के उपायुक्त श्री आयुष सिन्हा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत विजन का मजबूत व जीवंत उदाहरण है। यह लोकल से ग्लोबल – आत्मनिर्भर भारत के मंत्र से प्रेरित है। सूरजकुंड मेला एक ऊर्जावान प्लेटफार्म के तौर पर उभर रहा है। यह संस्कृति और परंपरा की ऐसी झांकी है जहाँ परम्परागत और नवाचार मिलकर कार्य करते हैं। माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष रविवार को 39वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव के समापन अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मेले से ही लोकल शिल्पकारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ग्लोबल पहचान मिली है और प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में सजग है। इससे पहले माननीय राज्यपाल व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष ने सहकारिता, पर्यटन एवं विरासत मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल, मेयर प्रवीण बत्रा जोशी के साथ मेले का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान सभी मेहमानों का आपणा घर पर हरियाणवी पगड़ी से स्वागत किया गया। इस बीच माननीय राज्यपाल ने कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिल्पकारों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया।

सूरजकुंड शिल्प मेला को भारतीय सभ्यता और संस्कृति विरासत तथा आत्मनिर्भरता की सामूहिक इच्छा को खूबसूरती से प्रदर्शित करने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि यह मेला विविधता में एकता की भावना को बल दे रहा है। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया भर के कारीगरों, बुनकरों और लोक कलाकारों के कौशल, दृढ़ निश्चय व रचनात्मकता की झलक मेले में दिखाई दी है।

हरियाणा के राज्यपाल ने कहा कि मेले में मिस्र ने चौथी बार भागीदार देश के तौर पर हिस्सा लिया है, जिससे हमारे सांझा संस्कृति और सभ्यता के संबंधों को मजबूती मिली है। वहीं इस बार मेले में थीम स्टेट उत्तर प्रदेश और मेघालय ने भी अपनी वाइब्रेंट लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित कर मेले को बेहतर बनाया है। मेले में 50 से ज्यादा देशों के लगभग 800 कलाकारों और कारीगरों ने हिस्सा लेकर पिछले वर्षों की तुलना में मेले के बढ़ते ग्लोबल रुतबे को मजबूती प्रदान की है। यह मेला पारंपरिक शिल्प के संरक्षण को लेकर अंतरराष्ट्रीय संस्कृति सहयोग को बढ़ावा देने में सहायक है। उन्होंने कहा कि सूरजकुंड मेला दुनिया के संस्कृति और पर्यटन के नक्शे पर अपनी गहरी छाप छोड़ता रहेगा। उन्होंने देश के शिल्पकारों से आह्वान किया कि वे भारतीय कला, संस्कृति को आगे बढ़ाने की दिशा में अपना योगदान दें।

घाटे से मुनाफे की राह पर पैक्स, नई नीति से बदलेगी तस्वीर

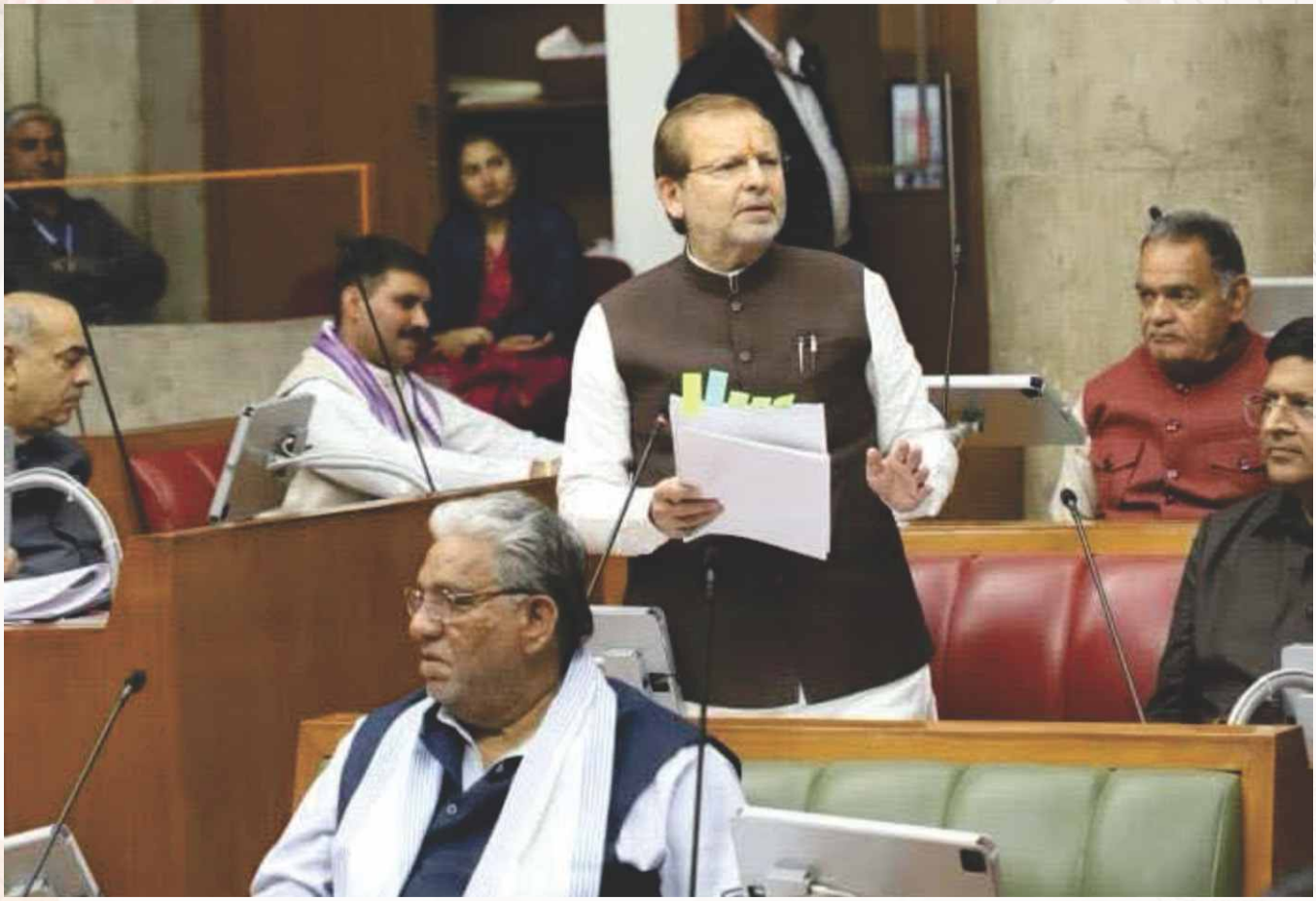

प्रदेश की प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार ने नई रणनीति तैयार की है। बजट सत्र के दौरान प्रश्नकाल में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि केंद्र की नई सहकारिता नीति राज्य की पैक्सों के लिए गेमचेंजर साबित होगी।

इंद्री से भाजपा विधायक रामकुमार कश्यप के सवाल के जवाब में मंत्री ने बताया कि 31 मार्च, 2025 तक प्रदेश में 794 बहु–उद्देश्यीय सहकारी समितियां कार्यरत थीं, लेकिन इनमें से केवल 33 ही लाभ में हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि पारंपरिक मॉडल के चलते पैक्स आर्थिक रूप से मजबूत नहीं हो पाई हैं। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार पैक्सों को बहु–व्यवसायिक इकाइयों में बदलने की दिशा में काम कर रही है। नई नीति के तहत पैक्स को 25 प्रकार की गतिविधियां शुरू करने की अनुमति दी

794 में से सिर्फ 33 लाभ में, 25 नए कारोबार से खुलेगी आय की नई राह

जाएगी। इनमें कॉमन सर्विस सेंटर, माइक्रो एटीएम, सोलर पंप स्थापना, जनऔषधि केंद्र, गैस एजेंसी, पेट्रोल पंप, बीज–खाद भंडार और किफायती दर दुकानें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बहुसेवा मॉडल अपनाने से समितियों की आय बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सरकार का लक्ष्य पैक्स को गांव स्तर पर मिनी मल्टी–सर्विस हब के रूप में विकसित कर किसानों और सदस्यों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। लक्ष्य केवल समितियों को लाभ में लाना नहीं, बल्कि उनसे जुड़े किसानों और सदस्यों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

लेख प्रतियोगिता

दिनांक 05.02.2026 को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बाछौद (महेन्द्रगढ़) में हरकोफेड, पंचकूला द्वारा लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुजरवास, राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय खेड़ी, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बाछौद, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तिगरा आदि विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया। उपरोक्त प्रतियोगिता में प्रदीप (GSSS Bachhod) ने प्रथम स्थान हासिल किया (इनामी राशि ₹2100), कोमल (GGSSS गुजरवास) ने द्वितीय स्थान हासिल किया (इनामी राशि ₹1500), प्राची (GGSSS Bachhod) तृतीय स्थान हासिल किया (इनामी राशि ₹1100), कशिश (GGSSS खेड़ी) को सांत्वना पुरस्कार (इनामी राशि ₹700) , प्रिया (GGSSS BACHHOD) को सांत्वना पुरस्कार (इनामी राशि ₹700) व विजेता प्रतिभागियों को हरकोफैड की तरफ से इनामी राशि व ट्राफी तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर प्राचार्या श्रीमती अनीता यादव जी ने विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उक्त कार्यक्रम श्री रोहताश जी BRP हिंदी, श्री अजीत जी BRP Science व प्रमोद कुमार जी BRP गणित के सहयोग से रखा गया तथा निर्णायक मंडल की भूमिका श्रीमती शर्मिला देवी (GSSS BACHHOD) तथा श्रीमती माया देवी (GSSS ताजपुर) ने निभाई। इसके अलावा विद्यालय के अध्यापक रजनीश यादव (फिजिक्स), विक्रम सिंह PTI व अन्य सभी अध्यापक गण उपस्थित रहे।

नेकीराम शर्मा कालेज में युवा कौशल विकास एवं स्वरोजगार पर सेमिनार

रोहतक। हरियाणा राज्य सहकारी विकास महासंघ, पंचकूला हरकोफैड के तत्वावधान में जिला सहकारी शिक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र, रोहतक द्वारा राजकीय पं. नेकीराम शर्मा महाविद्यालय, रोहतक में सोमवार को युवा कौशल विकास एवं स्वरोजगार विषय पर सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को कौशल आधारित शिक्षा, स्वरोजगार एवं स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र सांगवान ने की। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल ही युवाओं को आत्मनिर्भर बनाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी प्रतिभा को पहचानें और नौकरी खोजने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनें।

मुख्य वक्ताओं में श्री सत्यानारायण यादव हरकोफैड, श्री सुधीर वर्मा (सहकारी प्रबंधन संस्थान, रोहतक) तथा श्री संदीप कुमार (मैनेजर, वीटा प्लांट, रोहतक) ने सहकारी विभाग की विभिन्न योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और स्वरोजगार के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। वक्ताओं ने बताया कि सहकारी क्षेत्र युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता का बड़ा मंच प्रदान करता है।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. डॉ. सतीश खासा एवं डॉ. रुचिका खन्ना रहे। मंच संचालन डॉ. प्रियंका ने किया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर कार्यक्रम को अत्यंत प्रेरणादायक और उपयोगी बताया।

अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों, वक्ताओं, महाविद्यालय प्रशासन एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया गया।

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम

दी बहादुरगढ़ एम पैक्स के कार्यक्षेत्र में गाँव सराय औरंगाबाद (झजजर) में स्थित सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, बहादुरगढ़ के प्रांगण में हरकोफैड, पंचकूला के तत्वाधान में एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सी बी शाखा बहादुरगढ़ के प्रबंधक जयवीर ठाकुर द्वारा उपस्थित किसानों का स्वागत करते हुए मोबाइल बैंकिंग के उपयोग में रखने वाली सावधानियों से अवगत करवाया गया। उन्होंने बताया कि अब बहादुरगढ़ एम पैक्स के सी एस सी सैंटर पर सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई है, जिनका किसान व आमजन लाभ उठा सकते हैं। बैंक से कम ब्याज दर पर ऋण लेने व जमा राशि पर अधिक ब्याज दर प्राप्त करने का अनुरोध किया। हरकोफैड पंचकूला द्वारा जिला झज्जर में नियुक्त शिक्षा अनुदेशक एस एन कौशिक ने अपने संबोधन में बताया कि हरकोफैड, सहकारिता विभाग में कार्यरत सभी सहकारी संस्थाओं की कार्य योजनाओं व गतिविधियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए प्रचार प्रसार का कार्य करती है। किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी के कुशल नेतृत्व व डॉक्टर अरविन्द शर्मा जी के मार्गदर्शन में सहकारिता से समृद्धि लाने, आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की सहकारी समितियों के योगदान पर प्रकाश डालने खासतौर पर सी एम पैक्स गठन करने व जैविक खेती अपनाने के में बारे जानकारी देना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बिरेंदर सिंह सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां झज्जर व बहादुरगढ़ द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि सी एम पैक्स का गठन करके युवा पीढ़ी द्वारा स्वयं के रोजगार को उत्पन्न किया जा सकता है, किसान जैविक खेती अपनाकर खाद और दवाइयों के दुष्प्रभाव से बच सकते हैं। प्राकृतिक खेती और मोटा अनाज स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। साथ ही उन्होंने किसानों से अपनी जमीन के रजिस्ट्रेशन के लिए अनुरोध किया। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लिए जे एल जी समूहों के गठन में पुरुष वर्ग से सहयोग की अपील भी की। उपस्थित किसानों द्वारा कार्यक्रम में रूचि दिखाते हुए अपनी समस्याओं के बारे में अवगत करवाया। किसानों द्वारा भविष्य में गेहूं कटाई के उपरांत भी नालवाध्कांस न जलाने की शपथ ली। कार्यक्रम के अंत में एम पैक्स बहादुरगढ़ की ओर से योगेश शर्मा द्वारा हरकोफैड पंचकूला द्वारा कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आभार व्यक्त करते हुए सबको जलपान कराते हुए समापन किया।

जागरूकता शिविर

चरखी दादरी, 04 फरवरी :– ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों को आधुनिक तकनीक व सहकारी लाभों से जोडने के लिए अटेला पैक्स में एक विशाल जागरूकता शिविर संपन्न हुआ। इस शिविर में विशेषज्ञों ने कृषि, पशुपालन और सहकारी समितियों की कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के उपरांत शिक्षा निदेशक संतोष और जमींदारा सहकारी समिति दादरी के निदेशक प्रविंद्र मांढ़ी ने संयुक्त रूप से ग्रामीण विकास के लिए एक साझा विजन प्रस्तुत किया। शिक्षा निदेशक संतोष ने जोर दिया कि हरकोफैड के माध्यम से हम केवल वित्तीय मदद नहीं, बल्कि सहकारी शिक्षा का प्रसार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक ग्रामीण युवा और महिलाएँ सहकारिता के सिद्धांतों को नहीं समझेंगे, तब तक वे सरकारी योजनाओं का पूर्ण लाभ नहीं उठा पाएंगे। निदेशक प्रविंद्र मांढ़ी ने बताया कि जमींदारा सहकारी समिति और पैक्स ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता का अर्थ है मिल–जुलकर उन्नति करना। हम समितियों के माध्यम से किसानों को ना केवल खाद–बीज, बल्कि उचित ऋण और विपणन की सुविधाएं भी प्रदान कर रहे है, ताकि उन्हें बिचौलियों से मुक्ति मिल सके। वक्ताओं ने कहा कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य अटेला और आसपास के गांवों के किसानों को यह समझाना था कि खेती अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक व्यवसाय है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनें और सहकारी समितियों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें। इस मौके पर पूर्व कृषि अधिकारी राजेंद्र कौशिक ने कृषि की आधुनिक तकनीक और बागवानी से आय दोगुनी करने के तरीके बताए। शिक्षा निदेशक संतोष देवी ने सहकारी समितियों के नियम, लाभ और हारकोफैड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं बताई, पशुपालन विभाग से डा. दीपक ने पशुओं का टीकाकरण, उचित खान–पान और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के वैज्ञानिक तरीके, जमींदारा सहकारी समिति के निदेशक प्रविंद्र मांढ़ी ने सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता और समितियों से जुडने की प्रक्रिया से अवगत कराया तथा पैक्स प्रबंधक मनोज ने स्थानीय स्तर पर पैक्स द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी।

जागरूकता शिविर

चरखी दादरी, :– ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों को आधुनिक तकनीक व सहकारी लाभों से जोडने के लिए अटेला पैक्स में एक विशाल जागरूकता शिविर (3.2.26) संपन्न हुआ। इस शिविर में विशेषज्ञों ने कृषि, पशुपालन और सहकारी समितियों की कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के उपरांत शिक्षा निदेशक संतोष और जमींदारा सहकारी समिति दादरी के निदेशक प्रविंद्र मांढ़ी ने संयुक्त रूप से ग्रामीण विकास के लिए एक साझा विजन प्रस्तुत किया। शिक्षा निदेशक संतोष ने जोर दिया कि हरकोफैड के माध्यम से हम केवल वित्तीय मदद नहीं, बल्कि सहकारी शिक्षा का प्रसार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक ग्रामीण युवा और महिलाएँ सहकारिता के सिद्धांतों को नहीं समझेंगे, तब तक वे सरकारी योजनाओं का पूर्ण लाभ नहीं उठा पाएँगे। निदेशक प्रविंद्र मांढ़ी ने बताया कि जमींदारा सहकारी समिति और पैक्स ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता का अर्थ है मिल–जुलकर उन्नति करना। हम समितियों के माध्यम से किसानों को ना केवल खाद–बीज, बल्कि उचित ऋण और विपणन की सुविधाएँ प्रदान कर रहे है, ताकि उन्हें बिचौलियों से मुक्ति मिल सके। वक्ताओं ने कहा कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य अटेला और आसपास के गाँवों के किसानों को यह समझाना था कि खेती अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक व्यवसाय है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनें और सहकारी समितियों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें। इस मौके पर पूर्व कृषि अधिकारी राजेंद्र कौशिक ने कृषि की आधुनिक तकनीक और बागवानी से आय दोगुनी करने के तरीके बताए। शिक्षा निदेशक संतोष देवी ने सहकारी समितियों के नियम, लाभ और हरकोफैड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ बताई।

शहीदों की आन, दिल से करते हैं सम्मान

शहीदों की आन, दिल से करते हैं सम्मान,
नाज करते हैं उन वीरों पर जिन्होंने आजादी दिलाई,
देश पर मर मिटने की हिम्मत दिखाई,
उनकी बदौलत हमने सरहदें हैं पाई,
याद आते हैं हमे अपने भाई।
शहीदोंकी आन, दिल से करते हैं सम्मान।

महान आत्माएं चली गई कहीं,हमारे समक्ष उदाहरण दे गई,
भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव जैसे महान वीरों की छवि हमारे दिल में समा गई,
हमें जीवन की प्रेरणा से सिखा गई,
उन शहीदों की आन,दिल से करते हैं सम्मान।

फिजाओं में भी खुशबू है,गौरव महसूस करते हैं,
जब-जब बात उनकी करते हैं,
याद करते हैं उनकी कुर्बानी, वे है सच्चे बलिदानी,
उन शहीदों की आन, दिल से करते हैं सम्मान।

विशेष सम्मान के है हकदार ,
त्याग, साहस, निष्ठा जिनमें है दमदार,
जिए वह जिंदगी में बेमिसाल,जीवन की भी है मिसाल,
उन शहीदों की आन, दिल से करते हैं सम्मान।

शरीर चला गया उनका, विचार जिंदा रहेंगे उनके,
सदैव प्रेरित करते रहेंगे, इतिहास में अमर रहेंगे,
शहीदों की आन, दिल से करते हैं सम्मान।

बातों से नहीं, शुद्ध कर्मों से, शुद्ध आचरण से,
शुद्ध कार्यों से, शहीदों के बलिदान को स्मरण करके,
उनके विचारों को अपनाकर, सपनों का भारत बनाना होगा ,
उनकी शहादत का मान बढ़ाना होगा।

शहीदों की आन, दिल से करते हैं सम्मान।

स्वरचित (अलका शर्मा)

महिला दिवस : शक्ति सम्मान और समानता का उत्सव

'' नारी केवल शक्ति नहीं सृजन का आधार है।''

महिला दिवस महिलाओं की उपलब्धियों, संघर्षों, अधिकारों और उनके सम्मान को समर्पित है। महिलाएँ केवल परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र की नींव है।

भारतीय संस्कृति में नारी :– भारतीय संस्कृतियां नारी को देवी का दुर्गा दिया गया है।

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता''

जहां नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते है लेकिन केवल शब्दों से नहीं बल्कि कर्मों से नारी का सम्मान करना ही सच्ची पूजा है।

नारी जीवन की जननी :– नारी को सृष्टि की जननी महिला ही वह शक्ति है जो जीवन को जन्म देती है, संस्कार देती है और समाज को दिशा देती है। एक माँ, बहन, बेटी, मित्र, सहायिका आदि हर रूप में महिला समाज को आगे बढ़ाती है।

नारी त्याग नहीं ताकत की पहचान :– नारी को वर्षों तक त्याग, सहनशीलता और चुप्पी का नाम दिया गया। लेकिन आज की नारी सहन नहीं करती, वह निर्णय लेती है, नेतृत्व करती है और अपने सम्मान की रक्षा भी करती है। हर महिला की कहानी आसान नहीं होती लेकिन हर कहानी असाधारण होती है। वह बाधाओं की सीढ़ी बनाकर आगे बढ़ती है। कभी समाज की सोच से लड़कर, कभी परिस्थितियों से जूझकर अपने पथ पर चलती है और आत्मनिर्भर बनने के लिए सर्वदा संघर्ष करती है। किसी ने ठीक ही कहा है।

''एक औरत का साहस, पूर युग को बदल सकता है।''

शिक्षा में नारी की भूमिका :– शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है और महिला शिक्षा सशक्तिकरण की कुंजी है। एक शिक्षित महिला न केवल स्वयं सशक्त होती है बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी दिशा देती है। सशक्त होती है बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी दिशा देती है। एक शिक्षित महिला, पूरे समाज को शिक्षित करती है। शिक्षित महिला आने वाली पीढ़ियों को सस्कार और ज्ञान प्रदान करती है।

स्वस्थ नारी सशक्त समाज :– महिलाओं का स्वास्थ्य परिवार और समाज के स्वास्थ्य से जुड़ा है। मातृ स्वास्थ्य मानसिक स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकार ये सभी महिला सशक्तिकरण के मूल स्तंभ है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और जागरूकता बढ़ाना आवश्यकता है। नारी स्वस्थ वातावरण और परिवेश का निर्माण करती है।

आर्थिक सशक्तिकरण :– आर्थिक स्वतंत्रता महिलाओं के निर्णय–निर्माण में भागीदारी देती है। स्वरोजगार, स्वयं सहायता समूह और डिजिटल फाइनेंस ने महिलाओं के लिए नए अवसर खोले हे। कहा भी गया है जब महिला कमाती है, पूरा घर आगे बढ़ता है। सच्चाई है कि महिला के साथ घर नही, सृष्टि आगे बढ़ती है।

समाज की निर्माता :– राजनीति और प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी लोकतंत्र नारी जब नेतृत्व करती है तो दुनिया अधिक मानवीय बनती है। इतिहास गवाह है महिलाओं ने अपने नेतृत्व से यह साबित किया है कि सवेदनशीलता और दृढ़ता का मेल ही सशक्त नेतृत्व है।

महिला दिवस एक दिन का आयोजन नही बल्कि निरंतर नीति–प्रतिबद्धता और सामाजिक परिवर्तन का विकास है। जब महिलाएं सुरक्षित, शिक्षित और आर्थिक रूप से सशक्त होगी तभी समावेशी और सतत विकास संभव होगा। ''नारी सम्मान मानवता का सम्मान है''। महिला दिवस का अर्थ सम्मान देना नहीं बल्कि सोच बदल है। हर दिन महिला को सम्मान, अधिकार, साथ देना ही सच्चा उत्सव है। जब हर महिला सुरक्षित, शिक्षित और आत्मनिर्भर होगी, तभी समाज पूर्ण रूप से विकसित होगा। आइए हम सब संकल्प ले।

महिलाओं को देने वाला सम्मान एक दिन की औपचारिकता नहीं, जीवन भर निभाने वाला कर्तव्य, समस्त समाज को यह जिम्मेदारी है सभी महिलाओं का सम्मान दे।

महिलाओं का सम्मान करें
उनके सपनों को उड़ान दे
समानता वाला समाज बनाए।
वर्तमान, भविष्य और इतिहास सजाए।

स्वरचित (अलका शर्मा)

NANO TECHNOLOGY
NANO UREA & DAP
SAHKAR SE SAMRIDDHI
Aatmanirabhar Bharat, Aatmanirbhar Krishi
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
IFFCO NANO UREA Plus
and
IFFCO NANO DAP
Promises
More Yield And More Profit
World's First Nano Fertilizer by IFFCO
500 ML Bottle ₹225/- only
500 ML Bottle ₹600/- only
Contains 20% NITROGEN
FREE ACCIDENT INSURANCE
IFFCO Nano UREA Plus Liquid
IFFCO Nano DAP Liquid
NANO UREA PLUS
NANO DAP
LIQUID (8:16:0)
CROP NUTRITION REDEFINED
Less Cost, More Profits
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED
IFFCO Sadan, C-1 District Centre, Saket Place, New Delhi - 110017, INDIA
Phones: 91-11-26510001, 91-11-42592626. Website: www.iffco.coop

HOUSEFED

दी हरियाणा राज्य सहकारी आवास प्रसंघ लि0

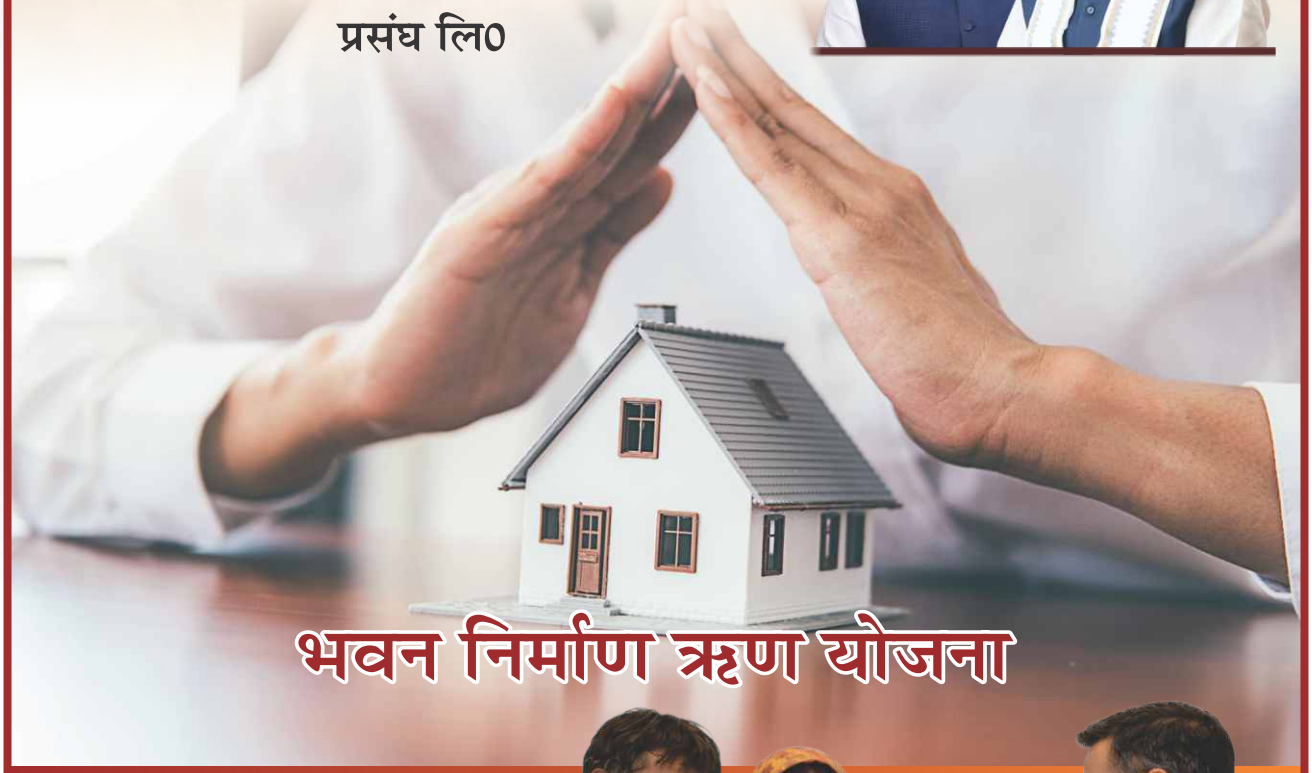

भवन निर्माण ऋण योजना

हाउसफैड द्वारा शहरी क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पात्र व्यक्तियों को आवास निर्माण हेतु 12.50 लाख रूपये तक का ऋण 7% वार्षिक ब्याज दर पर उपलब्ध

हर परिवार का सपना हाउसफैड से घर बने अपना

दी हरियाणा राज्य सहकारी आवास प्रसंघ लि0
बेज न0. 49-52, सेक्टर-2, पंचकूला
0172-2575847, 0172-2574142
housefedhry@gmail.com
housefed.haryana.gov.in

नाबार्ड द्वारा हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय क्रेडिट सेमिनार 2026-27 के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी द्वारा सहकारिता विभाग के लेखा परीक्षकों को पैक्स के ई-आडिट में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया। उक्त सम्मान श्री वेद रत्न, लेखा परीक्षा अधिकारी ने प्राप्त किया ।

HARCOFED

Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula https://www.harcofed.org.in harcofed@ymail.com

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264